

Page No.
 Date
 26/11 अटैक इन मुंबई स्फुफ

21st सेंचुरी राक रेड्या अटैक जिसके बारे में सुनकर रूह कंप गई। राक दिन पाकिस्तान के फंस आतंकवादी जहाज में रह कर दूसरी जहाज को टूट रहे थे क्योंकि उन्हें आभे का रास्ता नहीं पता था। उन्होंने राक जहाज मिल गई और उसके बाद उन्होंने उस जहाज पर जितने भी मछुआरे थे उन सब को मार दिया सिवाय राक के। जैसे ही वह मुंबई के पास आये उन्होंने उसको भी मार दिया। उन्होंने कपड़े बदले और अलग-अलग होकर निकल गये। चार लोग 'ताज होटल' गये, दो रेलवे स्टेशन गये और दो लोग 'चपाड़ा हाऊस' गये। बाकी के दो आतंकवादी कैफे गये। उसके बाद जो लोग कैफे से भागे उनके पिछे पिछे गो भी आभे और गो लोग 'ताज होटल' में धुस गये। जो आतंकवादी रेलवे स्टेशन में गये थे उन्होंने बाथरूम में गन और बॉम निकाले और बाथरूम के बाहर आकर बॉम फेंक दिया। बच्चों को भी नहीं छोड़ा, पर कुछ लोग भाग कर निकल गये। लोगों का खून जमीन पर फैला हुआ था और राक रिपोर्टर खुरसी के पिछे से छिप कर वीडियो निकाल रही थी। 'चपाड़ा हाऊस' में दो आतंकवादी धुस गये और राक बुकी औरत

को मार दिया और राक आदमी को भी मार दिया। तब लोग राक बच्चे के साथ दिल्ली के पिछे छिपे हुए थे। 'ताज होटल' में आतंकवादियों को जितने भी लोग दिखे उन्होंने सबको मार दिया। कुछ लोग रूम में छिप गए और बच गए। कोंडर पर बैठी दो लड़कियों से कहीं की व फोन लगाकर लोगों से कहे की उनके रूम के बाहर पुलिस उनको बचाने के लिए आई थी। जैसे ही लोगे रूम से बाहर आए उन्होंने राक-राक करके सबको मार दिया। दिल्ली से 'रान-रास-जी' नाम की स्पेशल फोर्स उन्हें जब तक कहीं न जाये तब तक उन्हें कुछ नहीं करने था। इस कहानी का राक हिरो था 'मनी' जो 'रान-रास-जी' का कमांडो था। मनी वो हमारा लंगोटिया थार था मेरा दोस्त, लेकिन मैं वो तुम रिक्के लोगों को बाढ़ में बताऊंगा। "अहू राम जोकिगु।" रान-रास जी हवाई अड्डे पर पहुँच गए थे और वो दो घंटों तक मंत्री जी के लिए रुके थे। फिर अब चलो मुंबई "इन ऊँची-निची राहों में"। मुंबई में हलात खराब थे और दर्शकों में गंभीर माहौल था और मैं ये क्या देख रहा हूँ की

आतंकवादियों के बढ़ि जान का सपना दूर
गया और न्यूज वालों की वजह से
सरी बात उन तक पहुँच रही थी।
एक न्यूज चैनल का नाम "सरी तेरे बाप
की शादी है क्या?" था और दूसरे न्यूज
चैनल का नाम "हैं तेरी माँ के साथ।"
राम-राम-जी वालों ने आतंकवादियों को
पकड़ लिया और
इन सब में हमारा मनी मारा गया।